**पिपाव (सौराष्ट्र) और पामुठान (भरूच) में गैस पर आधारित ताप विद्युत परियोजनाओं को मंजूरी दिया जाना**

1853. **श्री राम सिंह राठवा:** क्या विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पिपाव (सौराष्ट्र) और पामुठान (भरूच) में गैस पर आधारित ताप विद्युत परियोजनाओं को मंजरी प्रदान कर दी है ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार ने इस संबंध में अब तक क्या कदम उठाए हैं ?

**विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) :** (क) से (ग) गैस आधारित ताप विद्युत केंद्रों की अधिष्ठापना के लिए निम्नलिखित स्कीमों का केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से मूल्यांकन किया गया है :—

| | मेगावाट |
|---|---|
| (1) पिपाव संयुक्त साइकिल गैस टर्बाइन ताप विद्युत केंद्र, गुजरात, (दक्षिण सौराष्ट्र) | 615 |
| (2) गन्धार संयुक्त साइकिल गैस टर्बाइन ताप विद्युत केंद्र, गुजरात, जिला भरुंच | 615 |
| (3) गन्धार संयुक्त साइकिल गैस टर्बाइन ताप विद्युत केंद्र, रा०ता०वि०निगम, जिला भरुच | 615 |

तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग के ताप्ती अप-तटीय क्षेत्रों के विकास की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता, प्रस्तावित परियोजना के लिए गैस की उपलब्धता पर निर्भर करता है । संबंधित राज्य और केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तावित पिपाव परियोजना के बारे में जल की उपलब्धता की पुष्टि नहीं की गई है ।

गन्धार गैस क्षेत्रों से गुजरात की गन्धार परियोजना और रा ता०वि० निगम की गैस संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति किए जाने की परिकल्पना की गई है । गन्धार गैस क्षेत्रों में गैस की उपलब्धता के बारे में लगाए गए अद्यतन अनुमानों के आधार पर गन्धार में प्रस्तावित विद्युत केंद्रों के लिए कुल मिलाकर 2.15 एम०सी०एम०डी० गैस की मात्रा आबंटित की गई है । परियोजना के क्रियान्वयन के लिए निधियों सहित सभी आवश्यक निवेश सुनिश्चित किए जाने के पश्चात् ही उपरोक्त परियोजनाओं को सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा सकेगा ।

**Banks Branches Authorised by DESU to Collect Electricity Dues**

1854. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some branches of certain nominated banks have been authorised to collect electricity consumption dues' from consumers of DESU;

(b) if so, what are the names of branches, location-wise, in Delhi as on the 30th November, 1991;

(c) whether some decision has also been taken to print the names of these branches on reverse of electricity bills;

(d) whether some decision has also been taken to write names of these branches with locations in each District Office of DESU;

(e) whether these decisions have since been implemented; and

(f) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?